खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत आवेदन आमंत्रित

मण्डला। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना वर्ष 2025-26 अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए इच्छुक हितग्राहियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जारी जानकारी के अनुसार योजना के तहत कोदो-कुटकी राइस, राइस मिल, आटा चक्की, गुड़, मसाला यूनिट, अचार, पापड़, चिप्स, ऑयल मिल, नमकीन उद्योग, टमाटर केचप, सॉस तथा अन्य प्राथमिक खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। व्यक्तिगत श्रेणी में जिले को 81 इकाइयों का भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिनमें से 63 इकाइयाँ स्वीकृत हो चुकी हैं तथा वर्तमान में 18 इकाइयों का लक्ष्य शेष है। योजना के प्रावधान अनुसार प्रति इकाई परियोजना लागत पर 35 प्रतिशत तक अधिकतम 10 लाख रुपए तक का बैंक ऋण आधारित अनुदान देय है। जिले के इच्छुक उद्यमी, युवा बेरोजगार एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति योजना का लाभ ले सकते हैं। दिशा-निर्देशानुसार पीएमएफएमई पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कर आवेदन किया जा सकता है। साथ ही डीपीआर तैयार कराने के लिए जिला रिसोर्स पर्सन, निकटतम विकासखंड स्तरीय वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी, क्षेत्रीय ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी अथवा कार्यालय सहायक संचालक उद्यान से संपर्क किया जा सकता है।

शासकीय विद्यालयों में बनेंगे नवीन बालिका शौचालय

पूर्व निर्माण की स्थिति पर उठे सवाल

* गुणवत्ता और पारदर्शिता पर विशेष जोर।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल की

शिक्षा का अधिकार

राज्य शिक्षा केन्द्र

पुस्तक भवन, बी-विंग, अरेरा हिल्स, भोपाल-462 011

क्र./राशि/निर्माण-1/2026/1174 भोपाल, दिनांक 16/02/26

स्वीकृति से नवीन बालिका शौचालयों के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। इस योजना के तहत जिले के 104 विद्यालयों में प्रति शौचालय लगभग 2.93 लाख रुपये की दर से राशि आवंटित की गई है।

सूत्रों के अनुसार, सबसे अधिक शौचालयों का निर्माण बिछिया विकासखंड के 47 विद्यालयों में प्रस्तावित है। अन्य विकासखंडों में नारायणगंज (3), बीजाडांडी (6), निवास (4), मण्डला (10), घुघरी (8), मवई (13), नैनपुर (2) और मोहगांव (11) विद्यालयों में निर्माण कार्य स्वीकृत है।

प्राप्त जानकारी अनुसार पूर्व जनपद शिक्षा केन्द्र बिछिया में 51 शौचालय विहीन विद्यालयों की सूची भेजी गई थी, पर जांच में पाया गया कि इनमें से 46 विद्यालयों में पहले ही बालिका शौचालय का निर्माण वित्तीय वर्ष 2010-11 से 2016-17 के बीच किया जा चुका है। यूडाइस पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज होने के कारण भ्रम उत्पन्न हुआ। जो जांच की ओर इशारा करता है।

जिला शिक्षा केंद्र मण्डला ने आवश्यकतानुसार राशि आवंटित कर निर्माण कार्य प्रारंभ करा दिया है। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं को शौचालय संबंधी किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

हालांकि, कई विद्यालयों में पूर्व निर्मित शौचालयों की स्थिति और गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। यदि शौचालय समय से पहले जर्जर हो गए हैं, तो यह निर्माण की गुणवत्ता और शासन की राशि के सही उपयोग पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

राज्य शिक्षा केंद्र के पत्र क्रमांक/राशि/निर्माण-1/2026/1174, दिनांक 16/02/2026 के अनुसार स्वीकृत कार्यों का पंजीयन पोर्टल पर अनिवार्य है। स्थल परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी और जिन विद्यालयों में पहले से बालिका शौचालय उपलब्ध हैं, वहां नए निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अब यह देखना होगा कि इस बार निर्माण कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो पाएगी या नहीं। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर जनमानस की नजरें टिकी हैं।

जनपद शिक्षा केन्द्र बिछिया द्वारा दी गई जानकारी निश्चित रूप से वरिष्ठ अधिकारियों को एवं राज्य शिक्षा केन्द्र को धोखे में डालने वाली है यदि 51 शौचालयों के निर्माण की आवश्यकता बताई जा रही है और जबकि 46 विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण पहले ही किया जा चुका है तो फिर ऐसा कैसें हुआ। या तो जो जानकारी पोर्टल में दर्ज है उससे जनपद शिक्षा केन्द्र बिछिया अनभिज्ञ था और यदि जानकारी होने के बावजूद ऊपर गलत आंकड़े दिये गये तो फिर इसका दोषी किसे ठहराया जायेगा। जो निर्माण कार्य हुये हैं वे यदि आज उपयोग के लायक नहीं तो फिर जिन्होंने निर्माण कराया या किया क्या उन पर भी कोई कार्यवाही होगी?

इनका कहना है :-

मण्डला जिले के स्कूलों में बालिका शौचालयों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण ढंग से प्रगति पर है। जिन विद्यालयों में पूर्व में निर्मित शौचालयों के पुनः निर्माण संबंधी जानकारी प्राप्त हुई है, उनके मामले में जांच कराई जाएगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शौचालय निर्धारित समय सीमा से पूर्व जर्जर तो नहीं हुए हैं। यदि समय से पहले जर्जर पाए जाते हैं, तो जांच उपरांत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

-कुलदीप कठल
डीपीसी, मण्डला

स्मृति सुमन शिविर में 7 व्यक्तियों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र वितरित

* जिस निष्ठा से परिजनों ने जिम्मेदारी से सेवा की, उसी विश्वास से आप आगे बढ़ें - मंत्री श्रीमती उइके।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला योजना भवन में आयोजित स्मृति सुमन शिविर के दौरान अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त करने वाले परिवारों को बड़ी राहत मिली। कार्यक्रम में पीएचई मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने 7 हितग्राहियों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री शाश्वत सिंह मीना तथा एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम सहित अन्य अधिकारी एवं संबंधित परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

मंत्री श्रीमती उइके ने अपने संबोधन में कहा कि जिन परिवारों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके दुःख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। ऐसे परिवारों पर दुःख का पहाड़ टूटता है। उन्होंने कहा कि पूरी पारदर्शिता के साथ पात्र परिवारों के दस्तावेजों का परीक्षण कर अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण की गई है। उन्होंने कहा कि यह वर्ष का पहला स्मृति सुमन शिविर है। पिछले वर्ष ऐसे तीन शिविर आयोजित किए गए थे। अब तक सौ से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं।

मंत्री श्रीमती उइके ने नियुक्ति प्राप्त करने वाले हितग्राहियों से कहा कि जिस विश्वास और निष्ठा के साथ उनके परिजनों ने सेवा की, वे भी उसी समर्पण के साथ कार्य करें। यह नियुक्ति केवल एक पद तक सीमित न रहे, बल्कि अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़कर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें। उन्होंने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसलिए सभी व्यवस्थाएँ एक ही छत के नीचे सुनिश्चित की गईं। कार्यक्रम के अंत में नियुक्ति प्राप्त करने वाले परिवारों ने शासन और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जल जीवन मिशन कल्पतरु ग्रुप ने गर्मी से पहले गाँव तक पहुँचाया पानी

भुआबिछिया। मध्य प्रदेश जल निगम के मार्गदर्शन में 'नल से जल' पहुँचाने का संकल्प तेजी से पूरा हो रहा है। कल्पतरु ग्रुप (KPIL) द्वारा पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार करते हुए करंजिया, खलौड़ी, पड़रिया के बाद अब कोको गाँव में भी जलापूर्ति शुरू कर दी गई है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि आगामी भीषण गर्मी को देखते हुए कार्य की गति बढ़ाई गई थी, ताकि ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। इस उपलब्धि से क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों को अब घर पर ही शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा।

न्यून प्रगति पर सहकारिता विभाग को नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के द्वारा संकल्प से समाधान अभियान की विभागवार प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें पाया गया कि सहकारिता विभाग मण्डला के अंतर्गत संचालित सेवाओं के क्रियान्वयन में प्रगति अत्यंत न्यून है। इसके अंतर्गत किसान क्रेडिट कार्ड (सहकारी बैंकों) के माध्यम से कुल 206 आवेदन, स्वीकृत 145 आवेदन, कुल 146 निराकृत एवं लंबित 60 आवेदन, किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान साख पत्र जारी करना के कुल 16 आवेदन, स्वीकृत 9 आवेदन, कुल 9 निराकृत एवं लंबित 7 आवेदन तथा किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान साख पत्र का नवीनीकरण के कुल 9 आवेदन, स्वीकृत 3 आवेदन, कुल 3 निराकृत एवं 6 लम्बित आवेदन हैं। संकल्प से समाधान अभियान को प्रारंभ हुए 20 दिन से अधिक की अवधि के बाद भी निर्धारित सेवाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन की प्रगति अत्यंत न्यून है।

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने सहकारिता विभाग मंडला के सहायक आयुक्त श्री अरूण कुमार मसराम को इस संबंध में कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। आपके विभागीय दायित्वों एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में रुचि नहीं लिया जा रहा है, जो कि अत्यन्त खेदजनक है। आपका उक्त कृत्य कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना एवं अनुशासनहीनता को प्रदर्शित करता है। आपका उपरोक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3(1) उप नियम (एक) (दो) (तीन) के विपरीत होने से दण्डनीय कृत्य है। अतः उक्त संबंध में आप अपना लिखित उत्तर पत्र प्राप्ति के दो दिवस के अन्दर प्रस्तुत करें। निर्धारित समयवाधि में तथा संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं होने की दशा में आपके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। जिसके लिये आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा हिरदेनगर द्वारा मेगा क्रेडिट आउटरीच कैंप का आयोजन

मण्डला। दिनांक 21/02/2026 को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा हिरदेनगर में मेगा क्रेडिट आउटरीच कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कैंप का उद्देश्य ग्राहकों को बैंक की विभिन्न ऋण योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्रदान करना तथा पात्र ग्राहकों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित करना था। कैंप के दौरान वाहन ऋण, व्यक्तिगत ऋण एवं पेंशन ऋण के स्वीकृति पत्र पात्र ग्राहकों को प्रदान किए गए। साथ ही बैंक के अन्य प्रमुख उत्पादों एवं सेवाओं जैसे बचत खाता, बीमा, पेंशन योजनाएं एवं डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं के बारे में भी उपस्थित ग्राहकों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय प्रमुख श्री अविनाश कुमार जी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शाखा प्रबंधक श्री आशुतोष वीके द्वारा कैंप का सफल संचालन किया गया एवं ग्राहकों से संवाद कर उन्हें बैंक की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्राहकों ने भाग लिया एवं बैंक की सेवाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से ग्राहकों को बेहतर एवं सुलभ बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है।

समीक्षा | जर्मन बैंक केएफडब्ल्यू के प्रतिनिधियों ने किया मंडला सीवरेज परियोजना का निरीक्षण।

कलेक्टर ने गुणवत्ता को लेकर जाहिर की अप्रसन्नता

* लोगों की सुविधा को देखते हुये दिये कार्ययोजना में बदलाव के निर्देश।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की पीआईयू जबलपुर के अंतर्गत निर्माणाधीन मंडला नगरपालिका सीवरेज परियोजना की प्रगति का जायजा लेने के लिए बुधवार को जर्मन बैंक केएफडब्ल्यू के प्रतिनिधियों ने स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात दल ने जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा के साथ परियोजना की वर्तमान स्थिति और भविष्य की चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की।

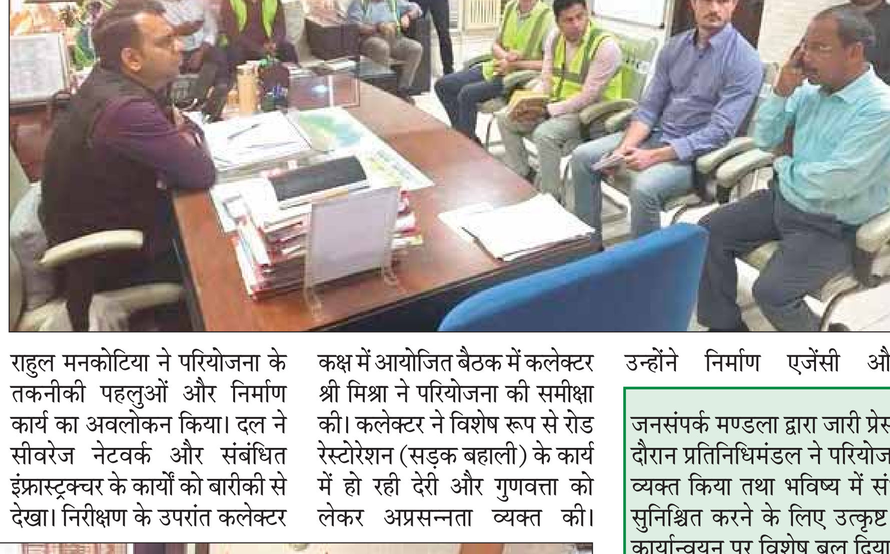

बैठक के पूर्व केएफडब्ल्यू से आए प्रतिनिधि मि. लुकास और राहुल मनकोटिया ने परियोजना के तकनीकी पहलुओं और निर्माण कार्य का अवलोकन किया। दल ने सीवरेज नेटवर्क और संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्यों को बारीकी से देखा। निरीक्षण के उपरांत कलेक्टर कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने परियोजना की समीक्षा की। कलेक्टर ने विशेष रूप से रोड रेस्टोरेशन (सड़क बहाली) के कार्य में हो रही देरी और गुणवत्ता को लेकर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने निर्माण एजेंसी और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क रेस्टोरेशन का कार्य तत्काल मानक स्तर पर सुधारा जाए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने आम जनता को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना में बदलाव के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी समय की चुनौतियों को देखते हुए एक उत्कृष्ट और प्रभावी नीति के साथ कार्य को समयसीमा में पूर्ण करें। इस दौरान केएफडब्ल्यू से मि. लुकास एवं श्री मनकोटिया के साथ एमपीयूडीसी, पीएमयू, पीआईयू जबलपुर के अधिकारी, पीएमसी एवं संविदाकार के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनसंपर्क मण्डला द्वारा जारी प्रेस रिलीज में बताया गया कि निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने परियोजना के क्रियान्वयन की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया तथा भविष्य में संभावित चुनौतियों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए उत्कृष्ट नीतिए बेहतर समन्वय एवं समयबद्ध कार्यान्वयन पर विशेष बल दिया। साथ हीए परियोजना के दीर्घकालिक संचालन एवं रखरखाव को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा.निर्देश भी प्रदान किए गए। निरीक्षण के अवसर पर केएफडब्ल्यू के विशेषज्ञ लुकास एवं राहुल मनकोटिया के साथ मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के तकनीकी अधिकारी कमलेश भटनागरए उप परियोजना प्रबंधक अभय जैन, सामुदायिक विकास अधिकारी अपराजिता मिश्रा तथा सामुदायिक विशेषज्ञ छाया खले सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल एवं परियोजना से जुड़े अधिकारियों के बीच विस्तृत परस्पर संवाद भी हुआए जिसमें परियोजना की प्रगतिए आगामी कार्ययोजना, सामुदायिक सहभागिता तथा संचालन संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार.विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए परियोजना को समय-सीमा पर पूर्ण होने की बात कहीं।

22 नग मवेशी अवैध परिवहन करते पकड़े गये

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

20 तारीख को गौ रक्षा समिति मंडल के सदस्यों के द्वारा 22 नाग पड़ा जो बड़ी क्रूरता पूर्वक परिवहन किया जा रहे थे यह काटने के लिए जा रहे थे इन लोगों के द्वारा इनको बचाया गया तथा सुरक्षित दयोदय पशु सेवा सदन आमानाला पहुंचाया गया 11:00 बजे से शाम को 7:00 बजे तक लगातार उन जीवों को बचाने के लिए मेहनत करते रहे इनमें विशेष तौर से अर्थव हूंका सुजल सोनवानी विश्वजीत गुप्ता अभिकांत ठाकुर केतन सुखवानी पीयूष साहू विशेष जैन शामिल रहे जिनके माध्यम से इन मवेशियों को सुरक्षित गौशाला में इनको पहुंचा दिया गया है।

ज्ञात हो कि एक ट्रक जो कि तकनीकि रूप से खराब हो जाने के कारण जिला परिवहन कार्यालय के सामने खड़ा हुआ था और ट्रक के चालक एवं परिचालक वहां से फरार बताये गये जब गौ सेवकों ने इस ट्रक के अंदर देखा तो पाया कि बड़ी बुरी स्थिति में ट्रक के अंदर मवेशियों को बांधकर रखा गया था थोड़ी ही देर में यह जानकारी सभी तक पहुंच गई और ट्रक के समीप गौ सेवकों की अच्छी खासी भीड़ एकत्रित हुई पुलिस प्रशासन को भी इसकी सूचना दी गई और फिर पुलिस द्वारा कार्यवाही करने के पश्चात गौ सेवकों के माध्यम से इन मवेशियों को आमानाला स्थित गौ शाला में सुरक्षित पहुंचाया गया। वह तो ट्रक खराब हो गया तो लोगों को इसकी जानकारी हुई अन्यथा इस तरह पता नहीं कितनी बड़ी संख्या में अवैध रूप से ये मवेशी मण्डला होते हुये परिवहन करा दिये जाते हैं।

शपथ पत्र

मैं पूजा जसवानी पति अमित जसवानी आयु 37 निवासी सरदार भगत सिंह वार्ड तहसील एवं जिला मण्डला म.प्र. की निवासी हूँ मेरी पुत्री का वास्तविक नाम – गिनिशा जसवानी है जो मेरी पुत्री के मूल जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है जो कि सत्य व सही है किन्तु मेरी पुत्री के आधार कार्ड (नं. 4322 2475 0598) में मेरी पुत्री का नाम गुरूप्रीत जसवानी दर्ज कर दिया गया है जो कि गलत है मेरी पुत्री के आधार कार्ड में दर्ज नाम गुरूप्रीत जसवानी के स्थान पर वास्तविक नाम गिनिशा जसवानी अंकित किये जाने हेतु मैं अपना स्वयं का यह शपथ पत्र निष्पादित कर रही हूँ मेरे द्वारा दी गई जानकारी सत्य व सही है असत्य पाये जाने पर सम्पूर्ण जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी।

शपथकर्ता

कार्यालय प्राचार्य, रानी दुर्गावती शास. स्नातको. महाविद्यालय, मण्डला (म.प्र.)

// निविदा प्रकाशन //

योजना क्र. 5550 अंतर्गत सत्र 2025-26 में सामग्रियाँ क्रय किया जाना है। जिसकी खुली निविदा क्र. **GEM**/2026/**B**/7268771 दिनाँक 20/02/2029 **GEM Portal** पर प्रकाशित की गयी है। विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://gem.gov.in/** पर देखा व भरा जा सकता है। निविदा की अंतिम तिथि 03/03/2026, समय 17:30 बजे तक ऑन लाईन जमा किये जा सकते हैं।

प्राचार्य

प्रशासन द्वारा समय पर इस तरह की सच्चाई को अनदेखा किया जाना बन जाता है यातायात के लिये नासूर, शुभारंभ होने के पहले ही शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करते हुये जमा लिया कब्जा...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में शासकीय भूमि से लेकर मुख्य सड़को के किनारे फैले हुये अतिक्रमण की सच्चाई किसी से छिपी नही है और इसी का परिणाम है कि नगर की यातायात व्यवस्था पटरी से उतरी हुई देखी जा रही है तो दूसरी ओर आये दिन घटित होने वाली दुर्घटनाओं में अतिक्रमण का कारण प्रमुख रूप से सामने आने से नही चूकता है..? वही दूसरी ओर समय समय पर प्रशासन की टीम द्वारा नगर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम तो छेड़ी जाती है। मगर वह मात्र औपचारिकता पूर्ण साबित होने से नही चूक पाती है। मगर इस तरह होने वाले अतिक्रमण की सच्चाई को प्रशासन द्वारा जिस तरह से नजर अंदाज किया जाता है उसका ही परिणाम है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करते हुये कब्जा जमाने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूक पाते है। नगर में सरकारी भूमि पर नियम विरूद्व फैले हुये अतिक्रमण पर नजर डाली जावे तो नगर के मुख्य मार्ग स्टेशन से पलोटन गंज की ओर आता है बीटीआई स्कूल के समीप कुछ साल पहले तत्कालीन एसडीएम राजेश शाह द्वारा विद्युत कार्यालय के सामने अतिक्रमण हटवाया गया था। मगर यहां पर खाली हुई सरकारी भूमि को प्रशासन द्वारा सुरक्षित नही किये जाने का परिणाम है कि एक एक करके यहां पर अतिक्रमण के रूप में ठेले जमते गये और वह पक्के दिखाई देने लगे है। इसी प्रकार सरकारी अस्पताल के पास नजर डाली जावे तो यहां पर भी लगभग दो साल पहले बडे स्तर पर अतिक्रमण हटाते हुये खाली हुई जमीन को तारबाडी से सुरक्षित किया गया था। मगर अतिक्रमणकारियों द्वारा उस तार बाड़ी को को काटते हुये अपने टपरे स्थापित करते हुये पूर्व की तरह अपने कब्जें में करते हुये सूरत बदलने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। इसी प्रकार का हाल पानी टंकी वाले क्षेत्र में देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि यहां पर कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा यहां पर सरकारी भूमि सड़क किनारे अपने ठेले स्थापित करते हुये उन्हे किराये से चलाकर हर माह हजारों रूपया की बसूली करते हुये देखे जा रहे है। इस प्रकार नगर सड़क किनारे फैला हुआ अतिक्रमण जहां यातायात में बाधक बनने के साथ दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनते हुये देखा जा रहा है। मगर इस सब में हैरत तो तब होने से नही चूक पाती है जब अतिक्रमण की शुरूआत होती है और इन मार्गो से तहसील स्तर पर बैठे हुये सक्षम अधिकारी शुरूआती दौर को ही देखकर अनदेखा करते हुये चुपचाप निकल जाते है जो इन अतिक्रमण कारियों के हौसलों को बुलंद करने से नही चूकता है..? वही अघोषित रूप से किया जावे तो जिम्मेदार अधिकारियों की खमोशी इन लोगों को सह देने जैसी प्रतीत होने से नही चूकती है। जबकि सच्चाई देखी जावे तो नगर के स्टेशन मार्ग यानि की बीटीआई स्कूल व बिजली आफिस के ठीक सामने मुख्य मार्ग के किनारे फैले हुये अतिक्रमण क्षेत्र में एसडीएम से लेकर तहसीलदार व अन्य अधिकारियों के बंगले होने के चलते वह निवास करते है जो

अतिक्रमण की सच्चाई को सुबह शाम अपने आंखों से देखने के बाद भी अनदेखा करते हुये जान पड़ने से नही चूक रहे है। इसी तरह से शासकीय चिकित्सालय के सामने मॉडल रोड के किनारे फैला हुआ अतिक्रमण को भी इस मार्ग से दिन में अनेको बार जहां नगर के सक्षम अधिकारी देखते हुये निकलते है तो दूसरी ओर जिले के कलेक्टर महोदय का भी जब नगर आगमन होता है तो इसी मार्ग से अतिक्रमण की सच्चाई का दर्शन करते हुये निकलते हुये देखा जाात है। यही हाल नगर की पानी टंकी के पास से देखने मिल रहा है जों मुख्य नगर पालिका कार्यालय से चंद कदम दूरी पर होने के बाद भी शासकीय भूमि पर हुये अतिक्रमण के माध्यम से प्रभावशालियों द्वारा इस अतिक्रमण को अपने आय का साधन बनाते हुये गरीबों से प्रति माह हजारों रूपया की बसूली करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इस सच्चाई को लेकर अधिकारियों की भूमिका जहां सबालों के घेरे में आने से नही चूक पा रही है तो कुछ इसी तरह की शुरूआत नगर के चीचली की ओर जाने वाले मार्ग यानि की निर्माणाधीन ब्रिज के पास दिखाई देना शुरू हो चुकी है। बताया जाता है कि इस ओबर ब्रिज का अभी तक निर्माण पूर्ण भी नही हो पाया है। मगर यहां पर जिस तरह अतिक्रमणकारियों द्वारा अपने ठेले जमाने की शुरूआत की गई है वह चर्चा का विषय बनने के साथ साथ जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक रही है...? बताया जाता है कि हर दिन की सुबह यहां पर एक नया ठेला स्थापित नजर आने से नही चूक रहा है। रात के अंधियारे में यहां पर अतिक्रमण होने की सच्चाई को आये दिन चीचली क्षेत्र में भ्रमण करने के लिये जाने वाले तहसील स्तर से लेकर जिले के अधिकारियों द्वारा देखे जाने के बाद भी उनकी चुप्पी अघोषित रूप से इन अतिक्रमण कारियों को सह प्रदान करते हुये प्रतीत होने से नही चूक पा रही है..? शुरूआती तोर में तो यहां पर मात्र ठेले व टपरे स्थापित किये जा रहे है। मगर इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि यदि प्रशासन इसी तरह चुप्पी साधे रहा तो यह अतिक्रमण पक्का रूप धारण करने से नही चूक पायेगा तो उस दौरान अतिक्रमण हटाना असंभव होने से नही चूक पायेगा? क्योंकि पक्के अतिक्रमण को हटाने की प्रक्रिया इतनी जटिल हो जाती है कि पहले नोटिस जारी करते हुये समय देना और बाद में अतिक्रमण कारी अपने रोजी रोटी का हवाला देते हुये न्यायालय की शरण में पहुंच जाना या फिर किसी प्रभावशाली नेता व मंत्री का अतिक्रमणकारी के सिर पर हाथ पड़ गया तो अधिकारियों को इस तरह का अतिक्रमण हटाने के दौरान दिन में ही तारे नजर आने से नही चूक पाते है? क्योंकि शासकीय भूमियों पर अतिक्रमण फैलने की सच्च्चाई को शुरूआती तौर में ही नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि वह अतिक्रमण धीरे धीरे शासकीय भूमि को अपनी गिरफ्त में लेने से नही चूक पाता है। वैसे भी देखा जावे तो नगर का निर्माणधीन ओबर ब्रिज के पास स्थापित हो रहा अतिक्रमण आने वाले दिनों में प्रशासन के साथ साथ पुलिस प्रशासन के लिये भी घातक बनने से नही चूक पायेगा..? क्योंकि वर्तमान समय में ही यहां की सच्चाई पर गौर किया जावे तो पुलिस द्वारा जिस तरह मादक पदार्थो के कारोबारियों से लेकर आर्म्स एक्ट के पुलिस थाने में बीते हुये महिनों में जो मामले दर्ज किये गये है। उन अनेक मामलों में अधिकांश का घटना स्थल यही निर्माणाधीन ओबर ब्रज चीचली तिरहा के रूप में सामने आया हुआ है। इस तरह देखा जावे तो यहां स्थल पहले से ही अपराधिक गतिविधियों को संचालित करने वालों की शरण स्थली बना हुआ है। इसके बाद यहां पर लगातार अतिक्रमण करते हुये स्थापित किये जा रहे टपरे भविष्य में अपराध की मंडी बनने से नही चूक पायेगा..? इस समय देखा जावे तो यहां पर देर रात तक संचालित होने वाली दुकानों पर जिस तरह शराब खोरी के साथ अन्य प्रकार के मादक पदार्थो का दौर चलते हुये देखा जाता है और यहां पर एकत्र होने वाली टोली देर रात शहर की ओर वापिस होती है तो नगर की सड़को पर वाइकर्सो का आंतक छाने से नही चूकता है। वही दूसरी ओर देर रात यदि कोई रेल यात्री इस मार्ग से पहुंचने वाले गांवों को अपने परिवार को लेकर जाता है तो यहां पर होने वाली हुड दंग लीला के दौरान की जाने वाली छीटाकशी का शिकार होने से नही बच पाता है। हालत इस तरह से देखे जाते है कि रात के समय आने वाली ट्रेनों के यात्री यहां से अपने परिवार को घर ले जाने में दहशत खाने से नही चूक पा रहे है? इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किया जाता है। इस तरह निर्माणाधीन ओबर ब्रज के पास हो रही अतिक्रमण की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो यहां पर अतिक्रमणकारियों द्वारा खुलेआम रेलवे की संपत्ति को भी उपयोग किया जा रहा है। मगर रेल विभाग द्वारा भी इस सच्चाई को नजर अंदाज करना चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के पास दिनों दिन अतिक्रमण बेशर्म की झाड़ी की तरह पनपते हुये चला जा रहा है। रेल प्रशासन के साथ साथ राजस्व व पुलिस प्रशासन की चुप्पी को लेकर लोगों का कहना है कि शायद सक्षम अधिकारियों द्वारा यहां पर किसी दिन कोई बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है जब तक इस क्षेत्र में कोई बडी घटना घटित नही होती है तब तक जिम्मेदार अधिकारियों की निंद्रा भंग होने की कल्पना करना बेमानी ही साबित होगा...?

खबर संक्षेप

कांक्रीट मेटेरियल के दाम बढ़ने से हितग्राही परेशान

हरिभूमि न्यूज/ सिहोरा/बोहानी। जिस प्रकार से केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई थी जिससे निश्चित ही उन गरीबों के चेहरों पर मुस्कान आते हुए देखी जा रही थी जो कभी सपने में अपने कच्चे मकानों को तोड़कर पक्के बनाने की सोच भी नही सकते थें। मगर इस योजना ने कच्चे आवासों में रहने वाले गरीबों को जो रहात प्रदान की गई है निश्चित ही उल्लेखनीय मानी जा रही है। मगर जब इस योजना की शुरूआत हुई थी उस समय भवन निर्माण करने वाली हर सामग्री की कीमत उतनी नही थी जो वर्तमान में चल रही है। मगर लगातार बढ़ रही महंगाई के दौरान में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्धारित की गई राशि से वर्तमान समय में गरीबों को अपने आवासों का निर्माण कर पाना मुश्किल दिखाई देने लगा है। इस समय देखा जावे तो शहरो से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आने वाल हितग्राहियों के आवासों का निर्माण कार्य चल रहा है और हितग्राही इस काम के लिए मिली राशि से बारिश का मौसम आने के पहले अपने आशियानो का निर्माण करने के लिए उतावले होते हुए देखे जा रहे है किन्तु देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से लोहा, सीमेन्ट व रेत सहित अन्य निर्माण सामग्री के दामों में लगातार हो रहे इजाफे से गरीब परेशानी में पड़ने से नही चूक रहे है, जिसके चलते हितग्राहियों का कहना है कि मकान बनाने में सबसे ज्यादा उपयोग होने वाले लोहे की कीमत में उछाल होने से जहां परेशानी हो रही है, वही दूसरी ओर शासन द्वारा निर्धारित की गई राशि में अपने आवासों का कार्य पूर्ण करना मुश्कि में आते हुए देखा जा रहा है।

पांच साल में खत्म हो गए हजारों हरे पेड़

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। प्रदेश सरकार हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाकर शहर,क्षेत्र के गांवो में छायादार,फलदार वृक्षो का रोपण करने लोगो को प्रोत्साहित करते है किंतु वृक्षारोपण अभियानो के दौरान हर वर्ष लगाए गए अधिकांश वृक्ष रख रखाव के अभाव में या तो सूख जाते है या फिर जानवरो द्वारा नष्ट कर दिए जाते है। सूत्रो के अनुसार पिछले पॉच साल में शहर व क्षेत्र के गांवो में लगाये गए हजारो पेड़ लोगों की असावधानी से ठूँठ में तब्दील हो चुके है तथा हजारो रूपया खर्च करते हुए पंचायतों में चलाया गया हरियाली महात्सव का क्या हाल यह बात किसी से छीपी हुई नही है। आज यदि उन पौधों को देखा जावे तो ट्री गार्ड में पेडो की जगह मात्र गाजर घास ही नजर आ रही है। जिससे पौधारोपण के अभियानो के महत्व पर सवालिया निशान लग रहा है। बताया जाता है कि शहरों की शैक्षणिक संस्थाओं तथा शासकीय कार्यालयो के इर्दगिर्द पूर्व में नेताओं, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियो ने आम, नीम, गुलमुहार, फूलो के जो पौधे लगाए थे।

मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को चंद घंटों के अंदर पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां मासूम बेटियों को लोग देवी स्वरूप मानते हुये उनकी पूजा करके आर्शीवाद प्राप्त करने से नही चूकते है। मगर कुछ हवस के भूखे भेड़िये इस तरह से होते है तो उनके साथ गलत काम करने में पीछे नही रहते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर में देखने मिली है जहां पर कक्षा 9 वी में अध्ययन करने वाली एक 14 वार्षिय मासूम के साथ पीड़िता के पिता के साथ काम करने वाले 28 वार्षिय युवक द्वारा जान से मारने की धमकी देते हुये मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिये जाने के चलते पुलिस द्वारा आरोपी को चंद घंटो के अंदर गिरफ्तार करते हुये जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये 19-20 फरवरी की दरम्यानी रात जब मासूम अपने घर पर थी उसी समय पिता के साथ काम करने वाले 28 वार्षिय युवक द्वारा नाबालिग को जान से मारने की धमकी देते हुये दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। वही संपूर्ण घटनाक्रम से जब मासूम द्वारा अपने परिवार के लोगों को अवगत कराया तो उन्होंने घटना की शिकायत पुलिस थाने में की गई जिसके

चलते पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ 64(1),65(1),332(b), 351(3) बी.एन.एस., 3,4 पॉक्सो एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। वही मामले की सच्चाई से नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने 14 वर्षीय नाबालिक बालिका के साथ घृणित कृत्य करने वाले आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किये जाने के चलते। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया एवं उप पुलिस अधीक्षक ललित सिंह डागुर के मार्ग दर्शन तथा नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इस प्रकार से आरोपी की खोजबीन के लिये बनाई गई इस टीम में मुख्य रूप से टीआई अशोक सिंह चौहान के आलवा उप निरीक्षक मनीषा लिल्हारे, सहायक उप निरीक्षक राजेश तिवारी, प्रधान आरक्षक अंजली दुबे, वरिष्ठ आरक्षक अखिलेश पटेल को शामिल किया गया था। इस टीम द्वारा अपना मुखबिर तंत्र सक्रिय करते हुये घटना के चंद घंटे उपरांत ही आरोपी को बाहर भागने के पहले ही गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई है। इस तरह घटित हुई घटना के चलते जहां नगर में सनसनी का महौल देखने मिल रहा है तो दूसरी ओर आरोपी को गिरफ्तार करने में जिस तरह टीआई चौहान की टीम द्वारा जिस तरह तत्परता का परिचय देते हुये आरोपी को सलाखो के पीछे पहुंचाया गया है उसको लेकर लोगों में खुले मन से सराहना करने से नही चूक रहे है। वही इस घटना की खबर फैलते ही लोगों द्वारा आरोपी को सख्त सजा दिलाये जाने की मांग करते हुये बुलडोजर कार्यवाही की मांग की ओर अग्रसर होते हुये दिखाई देने लगे है...?

नव नियुक्त भाजपा जिला उपाध्यक्ष का स्वागत करते हुये मंत्री राव उदय प्रताप सिंह

कीरत सिंह पटेल 'दादा भैया' के जिला उपाध्यक्ष बनने से पार्टी को मिलेगी मजबूती

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक द्वारा हाल ही में की गई संगठनात्मक नियुक्तियों में क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता कीरत सिंह पटेल (दादा भैया) को जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोतित करते हुये जिस तरह से जिम्मेदारी सौपी गई उसके चलते सांईखेडा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में अनोखा उत्साह देखने मिल रहा है। क्योंकि दादा भैया की जो मिलनसार कार्य प्रणाली व शासन की योजनाओं का हितग्राहियों के घर पहुंचकर लाभ दिलाने की सोच के चलते लोगों का कहना है कि पार्टी को उनके जिम्मेदार पद पर नियुक्त करने से पार्टी व संगठन को मजबूती मिलेगी। उनके जिला उपाध्यक्ष की घोषणा के बाद से ही क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर है। इसी क्रम में, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सिंधु जितेंद्र पटेल के निवास पर एक गरिमामय कार्यक्रम के दौरान उनका सम्मान किया गया।

कलश यात्रा के साथ ग्राम सूखाखैरी में महा विष्णुयज्ञ का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम सूखाखैरी में बीते हुये शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा के साथ विष्णु महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। बताया जाता है कि ग्राम सूखाखेरी में 45 वां श्री विष्णु महायज्ञ एवं मानस सम्मेलन में अनेक संत पधार रहे है। यज्ञ में प्रतिदिन बड़ी संख्या मे धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित होकर यज्ञ शाला की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे है। यज्ञ मे प्रतिदिन देव पूजन, हवन,आरती आदि धार्मिक आयोजन हो रहे है। बीते हुये शुक्रवार को रात्रि मे बुंदेली कथा वाचक विपिन बिहारी महाराज का आगमन हुआ। उनके आगमन पर ग्रामवासियों ने उनका ढ़ोल बाजे के साथ आत्मीय स्वागत करते हुए उनकी अगवानी की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज मे सनातन धर्म से जुड़े कार्य निरंतर होते रहना चाहिए। ग्राम सूखाखैरी मे श्री विष्णु महायज्ञ का आयोजन होना पुनीत कार्य है। इस दौरान उन्होंने कहा कि यज्ञ के आयोजन से सम्पूर्ण क्षेत्र का माहौल धर्ममय हो जाता है और यज्ञ स्थल की भूमि धन्य हो जाती है। हमारे जीवन मे सदाचार का होना जरुरी है क्योंकि अच्छे आचरण ही जीवन को सफल बनाता है। यहाँ उल्लेखनीय है कि यज्ञ मे प्रतिदिन दोपहर एवं रात्रि के समय प्रवचन होते है। इसके अलावा यज्ञ स्थल के पास प्रसाद एवं धार्मिक सामग्री की दुकाने भी लगी है। यज्ञ मे आने जाने वाले श्रद्धालुओ के

वाहनों के लिए व्यवस्थित वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था भी है। इसके अलावा शुद्ध पेयजल, भोजन, प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी यज्ञ समिति द्वारा की गई है। पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस कर्मियों की ड्यूटी यज्ञ परिसर मे लगाई गई है। यज्ञ मे प्रवचन हेतु स्वामी स्वरुपाचार्य महाराज, सदानंद सरस्वती महाराज, अंकुश महाराज के आलवा राजीव लोचन दास महाराज, सुश्री प्रभा भारती द्वारा भगवान की लीलाओं का वर्णन सुनाया जावेगा।

दादा गुरू महाराज का भौरझिर हुआ आगमन, विधायक विश्वनाथ पटैल ने पूजन करते हुये लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कलयुग काल में इस पृथ्वीलोक पर माँ नर्मदाजी के साक्षत मौजूद रहने की बात पुराणों में दर्ज बताई जाती है। इसी का परिणाम है कि माँ नर्मदाजी अपने भक्तों के संकटों को हरण करने में देर नही करती है। यही परिणाम है कि अनेक लोग माँ नर्मदाजी की परिक्रमा करते हुये देखे जाते है। मगर इस तरह के भक्त बिरले ही देखने मिल सकते है जो पैदल चलने के साथ मात्र नर्मदाजी के जल को अहार के रूप में ग्रहण करते हुये लगातार आठ बार माँ नर्मदाजी की परिक्रमा पर पैदल निकले हुये है। इस तरह के भक्त के रूप में दादा गुरू सरकार के रूप में देखने मिल रहे है। बताया जाता है कि मां नर्मदा जी के अनन्य भक्त ऐसी दिव्य मूर्ति जो 5 वर्षों से निराहार है सिर्फ मां नर्मदा जी का जल ग्रहण करते हुये पैदल परिक्रमा पर निकले हुये दादा गुरू महाराज का शनिवार को ग्राम भौरझिर में आगमन हुआ। इस दौरान क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल द्वारा उनका स्वागत करते हुये पूजन अर्चन करते हुये आर्शीवाद ग्रहण किया। माँ नर्मदाजी के भक्त दादा गुरु सरकार माँ नर्मदा परिक्रमा कर रहे हैं, जो एक अद्भुत और प्रेरणादायक यात्रा है। वह पिछले कई वर्षों से निराहार हैं और केवल नर्मदा जल पर जीवित हैं। उनकी यह चौथी नर्मदा परिक्रमा है और उनका लक्ष्य 2028 तक आठ बार नर्मदा परिक्रमा करने का बताया जा रहा है। दादा गुरु सरकार का कहना है कि नर्मदा परिक्रमा करना उनके लिए एक साधना है, जो उन्हें मूल शक्तियों का परिचय कराती है। वह नर्मदा संरक्षण और संवर्धन के लिए काम कर रहे हैं और लोगों को जागरूक करने के लिए पदयात्रा कर रहे हैं। दादा गुरु का जीवन त्याग, तपस्या और मानव सेवा का अद्भुत उदाहरण है। बताया जाता है कि उन्होंने हमेशा समाज को प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। उनके उपदेश हमें बताते हैं कि यदि हम अपने जीवन में सदाचार, परिश्रम और ईश्वर भक्ति को अपनाएं, तो हमारा जीवन सफल और सार्थक बन सकता है। इस तरह अपनी चौथी परिक्रमा के दौरान दादा गुरू माँ नर्मदाजी के लिंगा से होते हुये ग्राम भौरझिर आगमन होने पर लोगों ने दर्शन करते हुये आर्शीवाद लिया। रात्रि विश्राम के बाद आज संत महाराज ग्राम घघरौला से होते हुये कोठिया से निकलकर ग्राम नरवारा पहुंचेगे जहां पर रात्रि विश्राम के उपरांत कल आगे की ओर रवाना होगे।

मंडी परिसर बना गिट्टी व्यापारियों की दुकानदारी का अड्डा, नियम विरूद्व खड़े किये जा रहे ट्रक

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां नगर की जवाहर कृषि मंडी का निर्माण किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये किया गया है जिसमें अपना अनाज बेचने के लिए आने वाले किसानों को अपने वाहन खड़े करने के साथ साथ अन्य सुविधाएं मिल सके। मगर इस समय देखा जा रहा है कि मंडी प्रशासन की उदासीनता या फिर मिली भगत के चलते जहां गिट्टी का व्यापार करने वालों द्वारा अवैध रूप से कब्जा करते हुए यहां से गिट्टी की दुकानदारी की जा रही है। वही दूसरी अनेक वाहन मालिकों द्वारा मंडी परिसर में अपने वाहन खड़े करते हुए मंडी परिसर को पार्किंग स्थल बना डाला है..? इस प्रकार से मंडी परिसर को गिट्टी का कारोबार करने वालों द्वारा जिस प्रकार से उपयोग किया जा रहा है वही समझ से परे जान पड़ रहा है? इस बात का आज तक पता नही चला है कि आखिर में मंडी परिसर में गिट्टी के व्यापारियों द्वारा किसकी अनुमति से यहां पर गिट्टी रखते हुए अपना व्यापार किया जा रहा है। मगर इस प्रकार से मंडी परिसर का उपयोग अन्य दूसरे कार्यो में करना निश्चित तौर से जहां मंडी प्रशासन की उदासीनता या फिर मिली भगत की ओर संकेत देते हुए जान पड़ रहा है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से अन्य लोगों द्वारा मंडी परिसर का दुरूपयोग किये जाने के कारण किसानों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? जबकि गौर किया जावे तो मंडी में किसानों की सुविधा के लिए कई टीन शैड एवं चौड़ी सड़को एवं प्लेटफार्म का निर्माण किया गया है, मगर नगर की मंडी में अक्सर देखने को मिल रहा है कि रात्रिकालीन समय में सैकड़ो की संख्या में निजी ट्रक एवं अन्य वाहन वहां पर पार्किंग होते है, जिसे देखकर ऐसा महसूस होता है।

तहसीली व पंचायती कर्मचारियों की अनुपस्थिति कर रही ग्रामीणों को परेशान

हरिभूमि न्यूज/ सिहोरा/बोहानी। ग्राम पंचायत सचिव और पटवारी दोनो ऐसे कर्मचारी है जिनकी ग्राम मुख्यालयों पर उपस्थिति अपेक्षित रहती है। परंतु दुर्भाग्य है कि दोनों की उपस्थिति अपने मुख्यालयों मे नही होती है और आम ग्रामीण उनसे मिलने के लिए उनका घर ढूंढते फिरते है, पटवारियों और सचिवों के पास एक से अधिक गांव और ग्राम पंचायतें सौंपी गई है, पटवारियों के हल्का मे 3 से 5 गांव तक रहते है। वही ग्राम पंचायत सचिवो की कमी के चलतें भी कुछेक सचिवों को एक से अधिक ग्राम पंचायतों का काम सौंपा गया है, पटवारी व सचिव ज्यादातर शहर मे ही निवास करते जहां अपने बच्चों का भविष्य संभालने में लगे हुए है? वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब किसी ग्रामीण का इन से कोई काम पड़ता है तो उन्हें ग्रामीण जन उनको खोजते हुए परेशान हो रहे है? इन कर्मचारियों को निश्चित दिवसों पर मुख्यालयों पर जाना होता है, पटवारी अपने हल्का मे किस दिन को मिलेंगे इसकी जानकारी ग्राम पंचायत भवन मे सार्वजानिक रूप से लिखी होती है और आम ग्रामवासी भी इससे अनभिज्ञ रहता है। बावजूद इसके अक्सर पटवारी हल्का मे उपस्थित नही होते वे किसी न किसी बहाने से अपने घरों पर ही बैठकर काम करते है, जिसके कारण ग्रामवासी उन्हे ढूंढते हुये परेशान होते हुये देखे जाते है। वही यही स्थिति कुछ हद तक ग्राम सचिवो की है? जो ग्राम सचिव की अनुपस्थिति के कारण क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायत का काम भी आगे नही बढ़ पाते। क्योंकि सही मायाने में देखा जावे तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंच अशिक्षित होने के साथ साथ आरक्षण के चलते महिलाए है। इसके कारण वे ग्राम पंचायत सचिव पर ही निर्भर रहते है, परंतु यदि सचिव की उपस्थिति नही है तो वह काम भी नही कर पाता है, वही दूसरी ओर देखा जावे तो खेती बाड़ी के कार्यो सहित अन्य जरूरी कामों के लिए लोगों को पटवारियों की आवश्यकता आम ग्रामवासियों को हर पल रहती है। हर किस्म के कार्य के लिये पटवारी महत्वपूर्ण होता है यही कारण है कि पटवारी का अभाव उन्हे परेशान करता है। मगर गाडरवारा तहसील के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों व हल्का केन्द्रों पर पटवारियों व पंचायत सचिवों की इस प्रकार की मनमानी तथा शहरों में निवास करने के लोभ के चलते ग्रामीवासियों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, क्षेत्र के लोगों द्वारा अपेक्षा है कि राजस्व विभाग को इस दिशा मे कार्यवाही करनी चाहिये ताकि आम व्यक्तियों को परेशानी कम हो सके।

महंगाई के साथ बीमारियां बिगाड़ रही लोगों के घरों का बजट गरीब व मध्यम वर्ग को रोजी रोटी चलाना हो रही मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

पिछले कुछ वर्षो से लगातार बढ़ रही महॅगाई के साथ साथ कोरोना वायरस के बाद मानों अन्य प्रकार की नई बीमारियों ने पूर्णरूप से विकराल रूप धारण कर शहर के गरीबो, मध्यमवर्गीय लोगों का तो जीना मुश्किल ही कर दिया है। मौसम के मीजाज साथ ही चहुॅओर व्याप्त गंदगी, खान पान की चीजें बाजार में शुद्ध न मिलने से कई तरह की बीमारियॉ भी लोगो पर हमला करने लगी है। शहर के जागरूक नागरिको का कहना है कि प्रायः हर साल नगर के वाशिन्दो को उम्मीद रहती है कि सरकारो की मेहरबानी से बाजार की महॅगाई पर लगाम लगेगी पर दुर्भाग्य उनकी आशा पूरी नही हो रही है और महॅगाई की आग में झुलसते हुए उन्हे बच्चो को पढ़ानें, घरो में शादियॉ करने, मेहमानो की आव भगत करने, त्यौहार मनाने और किसी तरह अपनी पोजीशन सुरक्षित रखने मजबूर होना पड़ रहा है। किंतु शहर के अधिकतर घर ऐसे है, जिनमें पिछले दरबाजों से बीमारियॉ प्रवेश करती रहती है। इन बीमारियों में से कुछ ऐसी है जिनके नाम पहले कभी नही सुने गए थें और इनके फैलने की स्थिति में डाक्टर तो मजे मे है। मगर इन बीमारियो का इलाज महॅगा होने से लोग हलाकान हो रहे है। गौरतलब है कि लोगों को उम्मीद थी कि शायद जिस प्रकार से बीते हुये वर्षो में जिस तरह नई अनेक प्रकार की बीमारियों का प्रकोप देखा जा रहा था उसमें आ रही थी उससे लोग राहत महसूस कर रहे थें मगर के बाद नई नई अन्य मौसमी बीमारियॉ बढ़नें से इन दिनों शहरवासी चिंतित होते चले जा रहे है और सड़कों पर दमकते चेहरे कम ही नजर आ रहे है। शहर के अधिकतर निवासियों का कहना है कि वर्तमान में यह अजीब दौर चल रहा है। जिसमें न भाग्य साथ दे रहा है और न ही मौसम, हालात अनुकूल रह गए है और जिंदगियॉ समस्याओं की जकड़ में है और गरीब तो गृहस्थी की गाड़ी आगे खींचने में असमर्थ होते जा रहे है। जिसको लेकर शहरवासियो का कहना है कि गर्मी का मौसम अपने आने की आहट देते हुये दिखाई देने लगा है। मगर इस समय दो दिन ठंड व दो दिन गर्मी वाला मौसम बीमारियों को इजाफा करने से नही चूक रहा है। अब महॅगाई, बीमारियों ने गठ बंधन कर घरो का बजट बिगाड़नें की स्थिति पर शायद अंकुश लग पायेगा। जिससे अहसास हो रहा है कि ठंड का मन भावन मौसम का रंग भी इस वर्ष फीका रहा। क्योंकि बीते हुये कुछ साल पहले जब कोरोना महामारी की दस्तक के बाद लॉक डाउन के चलते दुकाने से लेकर परिवहन बंद होने की स्थिति में मंहगाई में लगातार बढ़ोत्तरी होते हुये देखी गई थी। क्योंकि जहां जरूरी सामग्री का निर्माण करने वाले फैक्ट्रियाँ बंद हो गई थी और माल का परिवहन नही हो रहा था उस दौरान महंगाई में इजाफा होना लोगों द्वारा स्वीकार कर लिया गया था। मगर हैरत करने बाली बात तो यह है कि जब सब कुछ सामान्य स्थिति में पहुंच गया वही दूसरी ओर किसानों का सोयाबीन सहित अन्य सामग्री कम दामों पर विक्रय हो रही है तो फिर जरूरी सामग्री के बढ़े हुये दामों को कोई गिराबट न आना निश्चित तौर से अनेक सबाल खड़े करने से नही चूक रही है? क्योंकि कोरोना काल में हर वस्तु के बढ़े हुये दामों तो समझ में आते है मगर इसके सब कुछ ठीक होने के बाद भी हर वस्तु उस समय से भी बढ़कर मिलना यह सरकार की उदासीनता को उजागर करते हुये जान पड़ रही है।

खबर संक्षेप

जनपद पंचायत कार्यालय अमरपुर में विकलांग शिविर कार्यक्रम संपन्न

अमरपुर। जिला कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार जनपद पंचायत कार्यालय अमरपुर में विकलांग शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित विकलांग शिविर में जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायतों से विकलांगों को ग्राम पंचायत में पदस्थ कर्मचारियों के द्वारा लाकर पंजीयन कराया गया। जहां पर डांण रमेश सिंह मरावी डांण अजय राज डां मिनी मौर्वी डांण प्रकाश ठाकुर आदि की मौजूदगी में विकलांग शिविर कार्यक्रम सफल हुआ। जानकारी के अनुसार विकलांग शिविर में कुल 155 पंजीयन हुआ। जिसमें 28 पात्र नवीन प्रमाण पत्र वहीं 34 यूडीआईडीए 48 पेंशन प्रकरणए 17 उपकरण पंजीयन एवं 30 उपचार हेतु रिफर किया गया हैं। इस तरह से शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को प्राप्त हुआ।

शहपुरा जनपद पंचायत में समर्पण सेवा अभियान के तहत दिव्यांग एवं वरिष्ठजन शिविर आयोजित

डिंडौरी। जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में समर्पण सेवा अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत शहपुराए जिला डिंडौरी में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना था।शिविर में कुल 138 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया। इस दौरान 35 हितग्राहियों के मेडिकल प्रमाण पत्र बनाए गए तथा 30 हितग्राहियों के यूडीआईडी कार्ड तैयार किए गए। इसके अलावा 46 नए पेंशन प्रकरण दर्ज किए गए और 39 पेंशन संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया।कार्यक्रम में 10 हितग्राहियों को सहायक उपकरण प्रदान किए जाने हेतु चिन्हित किया गया तथा 18 हितग्राहियों को आवश्यक चिकित्सीय जांच के लिए संदर्भित किया गया। वहीं 2 दिव्यांगजनों को मौके पर ही सहायक उपकरण वितरित किए गए।शिविर में आयुष विभाग द्वारा दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को औषधियों का वितरण कर स्वस्थ जीवनशैलीए संतुलित आहार.विहार एवं दैनिक दिनचर्या संबंधी परामर्श भी दिया गयाए ताकि वे बेहतर स्वास्थ्य के साथ आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका आर्मोए सिविल सर्जन डॉण रमेश मरावीए जिला चिकित्सालय मेडिकल बोर्ड के सदस्यए सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के जिला समन्वयक ब्रजमोहन भारतीयाए सामाजिक सुरक्षा अधिकारी राजेश बैगा डीडीआरसी के अधिकारी.कर्मचारी तथा जनपद पंचायत के बीपीओ छतर सिंह मार्को सहित अन्य अधिकारी.कर्मचारी उपस्थित रहे।शिविर का संचालन सुव्यवस्थित रूप से किया गया और हितग्राहियों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

परीक्षा केंद्र में सामूहिक नकल का आरोप, जांच की मांग

अनूपपुर। अनूपपुर जिले के अंतर्गत स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लतार को बनाए गए परीक्षा केंद्र में सामूहिक नकल कराए जाने का गंभीर आरोप सामने आया है। इस संबंध में ग्राम लतार निवासी सोमेश्वर नारायण पाठक ने लिखित शिकायत प्रस्तुत कर प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

आकांक्षी ब्लॉक बजाग में केयर कम्पैनियन प्रोग्राम की शुरुआत, मातृ शिशु मृत्यु दर घटाने की पहल

जबलपुर संभाग के आकांक्षी विकासखंड बजाग में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मजबूत बनाने तथा संस्थागत प्रसव को 100 प्रतिशत तक पहुंचाने के उद्देश्य से ष्केयर कम्पैनियन प्रोग्रामष ;ब्ब्द्ध के अंतर्गत विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

डिंडौरी।

छंजपवदंस भ्मंसजी डपेपवद ;एनएचएमद्ध के तहत आयोजित इस पहल का लक्ष्य घर पर होने वाले प्रसव को पूर्णतः समाप्त करना तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान एवं समुचित देखभाल सुनिश्चित करना है।अक्सर गर्भावस्था एवं प्रसव के बाद महिलाओं का अधिकांश समय घर पर ही बीतता है। इसी को ध्यान में रखते तकनीकी सहयोग से तैयार यह कार्यक्रम परिवार के सदस्यों को वैज्ञानिक ढंग से प्रशिक्षित करने पर आधारित है। उद्देश्य यह है कि प्रशिक्षित परिजन जटिलताओं के प्रारंभिक लक्षण पहचान सकें और समय रहते स्वास्थ्य संस्थान से संपर्क कर सकें।

प्रशिक्षण की प्रमुख विशेषताएं

राज्य स्तरीय प्रशिक्षक डॉण देवेंद्र शर्मा द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए राज्य मातृ स्वास्थ्य कंसल्टेंट अनंत राव पवार विशेष रूप से उपस्थित रहे।हाई.रिस्क प्रेग्नेंसी के मामलों में परिजनों को प्रसव पूर्व ही महिलाओं को प्रसूति प्रतीक्षालय में भर्ती कराने के लिए प्रेरित किया जाएगाए ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण मनोज पांडे ने कहा कि जब परिवार का देखभालकर्ता जागरूक और प्रशिक्षित होगाए तभी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में वास्तविक सुधार संभव है।कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों ने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों आशा कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रतिनिधि डॉण विकास जैनए डीपीएम दिलीप कछवाहा तथा बीपीएम लल्ला यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस पहल से न केवल अस्पताल में प्रसव की संख्या बढ़ने की उम्मीद हैए बल्कि समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी सुदृढ़ होगी।

जिले में अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन, 5.19 लाख से अधिक मतदाता दर्ज

डिंडौरी।

जिले की अंतिम निर्वाचक नामावली के प्रकाशन के संबंध में शनिवार को कलेक्टर कार्यालय में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर द्वारा की गई। यह बैठक भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के परिपालन में आयोजित की गई।बैठक में बताया गया कि जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों की अंतिम निर्वाचक नामावली प्रकाशित कर दी गई है। आम नागरिक अपने नाम की जांच संबंधित मतदान केंद्रए पंजीयन कार्यालय अथवा अन्य निर्धारित स्थानों पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारीए मध्य प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट पर भी सर्च सुविधा के साथ उपलब्ध है।23 दिसंबर 2025 से 29 जनवरी 2026 के मध्य विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान जिले में 14ए334 नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए तथा 1ए652 नाम विलोपित किए गए। अंतिम प्रकाशन के अनुसार जिले में कुल 5ए19ए881 मतदाता पंजीकृत हैं।बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अंतिम निर्वाचक नामावली की एक हार्ड कॉपी एवं एक सीडी ;फोटो रहितद्ध उपलब्ध कराई गई। साथ ही बताया गया कि दावे एवं आपत्तियों की प्रक्रिया सतत पुनरीक्षण के अंतर्गत आगे भी जारी रहेगी। बैठक में विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

डिंडौरी।

जिला कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण मनोज पाण्डेयए महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री श्याम सिंगौरए जिला स्वास्थ्य अधिकारी.1 डॉण ममता दीवानए जिला स्वास्थ्य अधिकारी.2 डॉण जयश्री मरावी सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में 1 अप्रैल 2025 से 18 फरवरी 2026 तक स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। इनमें एएनसी पंजीयनए गंभीर एनीमिया प्रबंधनए पीआईएच नियंत्रणए टीकाकरणए पोषण पुनर्वास केंद्रए परिवार कल्याण कार्यक्रमए आयुष्मान कार्ड निर्माणए मातृ एवं शिशु मृत्यु दरए सिकल सेल एनीमियाए सुगठित टूरी अभियान तथा टीबी उन्मूलन कार्यक्रम शामिल रहे।

समीक्षा के दौरान जिन योजनाओं में प्रगति अपेक्षाकृत कम पाई गईए उनमें सुधार लाने हेतु सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों को शत.प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचे।बैठक में नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य संस्थानों की सराहना भी की गई। उपस्वास्थ्य केंद्र बांसाए राखीए बस्तरा ;शहपुराद्धए निघोरी ;अमरपुरद्ध एवं रूषा ;डिंडौरीद्ध को राष्ट्रीय स्तर पर किए गए आकलन में बेहतर सेवा प्रदायगी के लिए राज्य कार्यालय से प्रमाण.पत्र प्रदान किया गया है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण पाण्डेय ने अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जिले को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट बनाने का आह्वान किया।

कृषि विज्ञान केंद्र में ओडीओपी मिलेट वर्कशॉप एवं बायर.सेलर मीट का आयोजन

डिंडौरी।

जिला प्रशासनए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं डच्प्ब् जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में 21 फरवरी 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में कृषि कल्याण वर्ष 2026ए प्रधानमंत्री धन.धान्य कृषि योजना एवं मध्य प्रदेश राज्य मिलेट मिशन योजना अंतर्गत ओडीओपी मिलेट वर्कशॉपए बायर.सेलर मीट तथा मिलेट एक्सीलरेटर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले के कृषक उत्पादक संगठनों ;थ्च्व्द्ध एवं प्रतिष्ठित व्यापारियों के मध्य व्यापारिक संबंधों को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा श्री अन्न ;मिलेट्सद्ध के प्रसंस्करण से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार कर विपणन एवं निर्यात संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया रहीं। इस अवसर पर जिला पंचायत डिंडोरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरीए जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंजू ब्यौहारए कृषि विज्ञान केंद्र डिंडोरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉण केण्केण देशमुखए उपसंचालक कृषि सुश्री अभिलाषा चौरसियाए परियोजना संचालक आत्मा डॉण नेहा धुरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे।सीईओ जिला पंचायत द्वारा ओडीओपी कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बायर.सेलर मीट का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में कोदो.कुटकी जैसे मोटे अनाज के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मिलेट्स को पोषण और आय वृद्धि का सशक्त माध्यम बताया गया।जिला कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 301 मीट्रिक टन कोदो.कुटकी उपार्जन एवं 5000 पंजीयन की उपलब्धि पर कृषि विभाग की टीम की सराहना की। उन्होंने जिले में मिलेट उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उद्योगपतियों एवं निवेशकों से कार्ययोजना बनाकर विभागीय योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्दकपंद प्देजपजनजम व डपससमजे त्मेमंतबी के वैज्ञानिक डॉण हरिप्रसन्ना द्वारा मिलेट्स के मूल्य संवर्धन एवं प्रोसेसिंग पर तकनीकी जानकारी दी गई। वहीं ज्ञतपीप टपहलंद ज्ञमदकतं क्पदकवतप के प्रमुख डॉण देशमुख ने उन्नत तकनीक एवं मृदा चयन पर मार्गदर्शन प्रदान किया।चपबमे ठवंतक व प्दिकपं के प्रतिनिधि द्वारा कृषि निर्यात एवं एपीडा से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न एफपीओ एवं प्रगतिशील कृषकों ने अपने अनुभव साझा किए।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न एफपीओए व्यापारी संघों एवं कृषकों की सक्रिय सहभागिता रही। अंत में डॉण नेहा धुरिया द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

विरोध के 11 दिन बाद गांव पहुंचे विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, सड़क निर्माण का भूमिपूजन

डिंडोरी।

शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे शनिवार को विरोध की घटना के 11 दिन बाद अधिकारियों के साथ अमरपुर जनपद की परसेल ग्राम पंचायत के पोषक ग्राम पिंडरुखी पहुंचे। यहां उन्होंने प्राथमिक शाला से मुख्य मार्ग तक सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया कार्यक्रम के दौरान विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और पंचायत में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जांच के निर्देश मिलते ही पूर्व में विरोध करने वाले युवकों ने विधायक का स्वागत किया और कहा कि उनसे पूर्व में हुई तीखी प्रतिक्रिया एक भावावेश में की गई गलती थी।गौरतलब है कि 8 फरवरी की शाम कुछ युवकों ने गांव में सड़क पर पत्थर रखकर विधायक का काफिला रोक लिया था। युवकों का आरोप था कि ग्राम पंचायत में विकास कार्यों में अनियमितताएं हुई हैं और शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है। स्थिति को देखते हुए विधायक उस दिन बिना कार्यक्रम में शामिल हुए लौट गए थे।

शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने निंदानी टोला में बिजली समस्या के समाधान के लिए विद्युत विभाग को तथा पेयजल समस्या के निराकरण के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को एक सप्ताह की समय.सीमा तय कर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी बताया कि पारधी टोला से मुख्य मार्ग तक लगभग तीन किलोमीटर सड़क निर्माण को राज्य शासन से स्वीकृति मिल चुकी है और टेंडर प्रक्रिया जारी है।कार्यक्रम के दौरान युवक रोहित साहू ने कहा कि परसेल ग्राम पंचायत के हथकटा और पिंडरुखी जैसे पोषक ग्रामों में अपेक्षित विकास कार्य नहीं हुए हैं तथा पूर्व में कराए गए कार्यों में अनियमितताएं सामने आई हैं।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रीतम मरावीए जनपद सदस्य मालती तिवारीए सरपंच गुलाबवती कुशरामए बद्री प्रसाद साहूए मंडल अध्यक्ष आकाश नामदेव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में उद्योग संवर्धन बैठक संपन्न

डिंडौरी।

जिला कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग संवर्धन संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देनेए एमएसएमई इकाइयों के विस्तार तथा उद्यमियों की समस्याओं के समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में एमएसएमई उद्योगों के संवर्धन हेतु आवश्यक सुझावों एवं परामर्श पर विचार.विमर्श किया गया। औद्योगिक क्षेत्र चटुवा के विकास को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक अधोसंरचना विकसित करनेए क्षेत्र में पौधारोपण कराने तथा फ्लेक्स.बैनर लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिले में स्थापित किए जा सकने वाले संभावित उद्योगों की पहचान कर उनकी कार्ययोजना तैयार करने पर भी चर्चा हुई।मध्य प्रदेश शासन की एमएसएमई विकास नीति एवं प्रोत्साहन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। बैठक में उपस्थित व्यापारियों एवं उद्योगपतियों को राज्य शासन की विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।जिला स्तर पर उद्योग संचालन में आ रही समस्याओंकृजैसे बाजार उपलब्धताए कच्चे माल की आपूर्तिए परिवहन व्यवस्था तथा उद्यमियों के एक्सपोजर विजिटकृपर चर्चा करते हुए संबंधित विभागों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना ;च्डटठत्ल्द्ध के संबंध में जानकारी देते हुए अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने पर जोर दिया गया।बैठक में उद्यमियों ने औद्योगिक विकास को गति देने के लिए अपने सुझाव रखे और वर्तमान चुनौतियों से अवगत कराया। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को समन्वित रूप से कार्य कर समस्याओं के शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारसए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर जेपी यादवए सीडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावीए एसडीएम बजाग श्री रामबाबू देवांगनए डिप्टी कलेक्टर बैद्यनाथ वासनिकए डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैनए महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र श्रीमती राधिका कुसरो सहित जिले के प्रमुख उद्यमी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई, चार वाहन जब्त

डिंडौरी।जिला कलेक्टर अजु पवन भदौरिया के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में 20 फरवरी 2026 को खनिज विभाग की टीम ने ग्राम गाड़ासरईए तहसील बजागए थाना गाड़ासरई क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए ओवरलोड गिट्टी का परिवहन कर रहे तीन वाहनों को जब्त किया।जब्त किए गए वाहनों में एक ट्रैक्टर ;डच्52।।3070द्ध एवं दो हाइवा ;ब्ळ10ठळ2212 और ब्ळ31ठ6419द्ध शामिल हैं। संबंधित वाहन मालिक रतन गुप्ता के वाहनों को जब्त कर थाना गाड़ासरई में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है।इसके अतिरिक्त 21 फरवरी 2026 को बिना नंबर का स्वराज ट्रैक्टर अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाया गया। उक्त वाहन को जब्त कर थाना बजाग में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है।सभी प्रकरणों में खनिज नियमों के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। प्रकरण न्यायालय कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

खबर संक्षेप

गुटखा में चल रही कालाबाजारी

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में राजश्री गुटखा की जम कर कालाबाजारी जारी है। जिसके चलते अधिक मुनाफा कमाया जा रहा है। जिसका प्रभाव उपभोक्ताओं पर ज्यादा पड़ रहा है।40 रुपए मूल्य का गुटखा 45 और 50रुपये तक में बेचा जा रहा है।गुटखे का सेवन करने वाले मजबूरी में गुटखा खरीदने मजबूर बनें हुए हैं।सूत्रों के मुताबिक बड़े व्यापारी और एजेंसी मालिक नियमों को ताक पर रखकर निर्धारित मूल्य से कहीं अधिक दामों पर गुटखा बेच रहे हैं। इस अवैध वसूली के पीछे जीएसटी में 40प्रतिशत तक वृद्धि का हवाला दिया जा रहा है। जिसकी आड़ में एजेंसी मालिक दुकानदारों से मोटी रकम वसूल रहे हैं। प्रशासनिक निगरानी के अभाव में यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। और उपभोक्ताओं में भारी रोष देखा जा रहा है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि खाद्य विभाग की निष्क्रियता के चलते काला बाजारी करने वालों के हौसले बुलंद हैं। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को चाहिए कि इस संबंध में निष्पक्ष रुप से जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि आम जनता को हो रही इस लूट पर अंकुश लग सके।

जिला शिक्षा अधिकारी ने निर्माणाधीन सांदीपनी स्कूल का किया निरीक्षण

तेंदूखेड़ा। शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुशवाहा ने डोभी में निर्माणाधीन सांदीपनी स्कूल का निरीक्षण किया तथा पुराने भवन का भी अवलोकन करते हुए बच्चों से शैक्षणिक व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिला शिक्षा अधिकारी ने नवीन भवन में जो कमियां शेष रह गई हैं उनको समय सीमा में शीघ्र पूर्ण करने के लिए संबंधित ठेकेदार को भी निर्देशित किया। आगामी शैक्षणिक सत्र से बच्चों को शिक्षा की बेहतर व्यवस्था के लिए नवीन भवन की व्यवस्था मुहैया कराई जा सके। संस्था के प्रभारी प्राचार्य अंजेश पटेल से संस्था की संपूर्ण जानकारी प्राप्त करते हुए प्रसन्नता जाहिर की ।वर्तमान समय में सीमित संसाधनों में भी यह विद्यालय जिले के समस्त सांदीपनि विद्यालयों से उत्कृष्ट कार्य कर रहा है विद्यालय में पदस्थ समस्त शिक्षकों का अथक परिश्रम विद्यालय इस वर्ष उत्कृष्ट परिणाम हासिल करेगा।ऐसी अपेक्षा व्यक्त की।

किशोरी बनी मां, आरोपी पर दुष्कर्म का मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र करेली अंतर्गत एक नाबालिग लड़की ने बच्चे को जन्म दिया है। स्वास्थ्य केन्द्र करेली द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि मामला आमगांव चैकी क्षेत्र का है जहां गांव के ही एक युवक पर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप है। प्रसव के दौरान अस्पताल में यह पूरा मामला उजागर हुआ। पुलिस के अनुसार, 16 वर्षीय नाबालिग से गांव के ही एक युवक ने जबरन शारीरिक संबंध बनाए, जिसके कारण वह गर्भवती हो गई। बदनामी के डर से परिजनों ने इस बात को छिपाए रखा। जब नाबालिग को प्रसव के लिए करेली अस्पताल लाया गया, तब यह घटना सामने आई। जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस को युवती ने बताया कि गांव के लड़के ने तीन बार जबरदस्ती शारीरिक शोषण किया था।

श्रीमती पार्वती बाई राय का स्वर्गवास

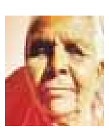

गोटेगांव। कामथ वार्ड, कन्या स्कूल के सामने निवासी प्रतिष्ठित नागरिक परिवार की मातृशक्ति श्रीमती पार्वती बाई राय का निधन हो गया। वे शीतल राय एवं मुकेश राय की परमपूज्य माता थीं। स्वर्गीय श्रीमती राय सहज, सरल और मिलनसार व्यक्तित्व की धनी थीं। उनके निधन का समाचार मिलते ही परिवारजनों, शुभचिंतकों और नगरवासियों में गहरा शोक व्याप्त हो गया।

निर्वाचक नामावली का हुआ प्रकाशन, कलेक्टर की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण- एसआईआर 2026 के अंतर्गत निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को किया गया। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में डिप्टी कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती देवंती परते, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में विनोद श्रीवास्तव, आनंद चौरसिया, शब्बीर मंसूरी, एड. लक्ष्मी नायक मौजूद थे। बैठक में अवगत कराया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण 27 अक्टूबर 2025 प्रारंभ किया गया था, जिसके तहत 4 नवंबर 2025 से 4 दिसम्बर 2025 तक सभी मतदाताओं के गणना फार्म, बीएलओ द्वारा मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदाताओं से फार्म भरवाकर प्राप्त किये गये।

मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन
बैठक में बताया गया कि कुल 8 लाख 69 हजार 587 मतदाताओं में से 8 लाख 23 हजार 833 मतदाताओं से भरे हुये गणना पत्रक प्राप्त हुये एवं 45 हजार 754 मतदाताओं से गणना पत्रक अवितरित अप्राप्त रहे। इन 45 हजार 754 मतदाताओं में से 12 हजार 874 मतदाता मृत, 9 हजार 182 मतदाता अनुपस्थित, 20 हजार 534 मतदाता स्थानांतरित, 4 हजार 13 मतदाताओं की दोहरी प्रविष्टि तथा 151 मतदाता द्वारा अन्य कारणों से गणना पत्रक प्रस्तुत नहीं किये गये। निर्वाचक नामावली के प्रारूप प्रकाशन 23 दिसम्बर 2025 को इन 45 हजार 754 मतदाताओं के नामों को नामावली से पृथक करते हुये कुल 8 लाख 23 हजार 833 मतदाताओं की प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। नामावली के प्रारूप प्रकाशन उपरांत 9 हजार 656 ऐसे मतदाताओं के गणना पत्रक प्राप्त हुए, जिनके द्वारा अपना स्वयं, अपने पिता-माता का नाम विगत विशेष गहन पुनरीक्षण 2003 की मतदाता सूची में नहीं पाया गया। ऐसे मतदाताओं को सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मतदाताओं की व्यक्तिगत सुनवाई 9 दिसम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक की जाकर 8 हजार 904 मतदाताओं को नामावली के अंतिम प्रकाशन में यथावत रखे जाने के लिए पात्र माना गया तथा 752 ऐसे मतदाताओं के नाम हटाये गये, जो मृत, अन्य जगह स्थानांतरित एवं दोहरी प्रविष्टि के पाये गये थे। फोटो निर्वाचक नामावली का 23 दिसम्बर 2025 से लेकर 22 जनवरी 2026 तक दावा-आपत्तियों की सुनवाई उपरांत शनिवार 21 फरवरी 2026 को अंतिम प्रकाशन जिले की चारों विधानसभा के मतदान केन्द्रों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के कार्यालय में किया गया। अंतिम प्रकाशन उपरांत जिले की सभी चारों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 8 लाख 40 हजार 474 मतदाता हैं, जिसमें 4 लाख 34 हजार 541 पुरूष, 4 लाख 5 हजार 925 महिला व 8 अन्य मतदाता शामिल हैं। बैठक में बताया गया कि 23 दिसम्बर 2025 से लेकर 22 जनवरी 2026 तक प्राप्त दावे- आपत्तियों का निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा निराकरण करने के उपरांत नामावली के प्रारूप प्रकाशन के बाद जिले में कुल 20 हजार 97 मतदाताओं के नाम नामावली में जोड़े गये तथा 3 हजार 456 मतदाता जो मृत, स्थानांतरित, दोहरी प्रविष्टि व अन्य कारणों से अनुपस्थित पाये गये उनके नाम नामावली से पृथक किये गये।

विधि महाविद्यालय के नवीन भवन हेतु 8 करोड़ 47 लाख स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के शिक्षा क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल एवं पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल के सतत प्रयासों के फलस्वरूप नरसिंहपुर स्थित शासकीय विधि महाविद्यालय के नवीन भवन निर्माण हेतु 8 करोड़ 47 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस संबंध में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार द्वारा पत्र जारी कर स्वीकृति की जानकारी प्रदान की गई है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से महाविद्यालय के लिए नए एवं सुव्यवस्थित भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। वर्तमान व्यवस्थाओं के चलते विद्यार्थियों को पर्याप्त कक्षाओं, पुस्तकालय और अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का अभाव झेलना पड़ रहा था। नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति मिलने से अब विद्यार्थियों को आधुनिक एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। स्वीकृत राशि से अत्याधुनिक कक्षाओं, समृद्ध पुस्तकालय, प्रशासनिक कक्ष, सेमिनार हॉल तथा अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। इससे विधि शिक्षा के क्षेत्र में नरसिंहपुर को नई पहचान मिलने की उम्मीद है। जिले के युवाओं को अब कानून की पढ़ाई के लिए अन्य शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों की बचत भी होगी कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल एवं पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने इस स्वीकृति पर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नवीन भवन के निर्माण से जिले के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण विधि शिक्षा प्राप्त होगी और वे न्यायिक सेवाओं सहित विभिन्न विधिक क्षेत्रों में आगे बढ़कर जिले का नाम रोशन करेंगे उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने भी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे नरसिंहपुर के लिए ऐतिहासिक कदम बताया।

वर्षों से हो रही करेली में शासकीय कॉलेज खोलने की मांग आज भी अधूरी

करेली। शिक्षा के अधिकार और उच्च शिक्षा के विस्तार की बात करने वाली सरकारों के दावों के बीच नगर करेली आज भी शासकीय कॉलेज से वंचित है। वर्षों से स्थानीय जनता, अभिभावक और छात्र-छात्राएं शासकीय महाविद्यालय की मांग उठा रहे हैं,जबकि वर्तमान मे शिक्षा मंत्री भी इसी जिले के होनें के बाद भी अब तक यह मांग केवल आश्वासनों तक सीमित होकर रह गई है।

उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को जाना पड़ता है बाहर कुछ रहते है बंचित

करेली तहसील मे 64ग्राम पंचायतो मे लगभग 144 से अधिक ग्राम जुड़े हुए है इन जगहों के विद्यार्थियों को स्नातक की पढ़ाई के लिए नरसिंहपुर, गाडरवारा या जबलपुर जाना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए रोजाना आना-जाना या बाहर रहकर पढ़ाई करना संभव नहीं हो पाता, जिसके कारण कई छात्र-छात्राएं 12वीं के बाद पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। यह सम्पूर्ण जानकरी इस क्षेत्र सभी कद्दावर नेता जनप्रतिनिधियों होनें बाद भी सभी का इस मामले मे चुप्पी साधना आम जनता को हैरान कर रहा

चुनावी मुद्दा बन कर रह जाता है शासकीय कालेज का खुलना

स्थानीय लोगों मे महेन्द्र कोरव, शुबोध खत्री, आयुष्मान तोमर सहित आकाश श्रीवास्तव का कहना है कि हर चुनाव में शासकीय कॉलेज का मुद्दा जोर-शोर से उठता है। नेताओं द्वारा मंचों से घोषणा भी की जाती है, लेकिन चुनाव खत्म होते ही मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है।

उच्च शिक्षा पाने क्षेत्रीय बच्चों का भविष्य अधर में

वही अभिभावकों मे आदित्य सोनी, कोमल सिंह, अजय नेमा, के साथ अमरजीत सिंह का मानना है की नगर सहित पूरे क्षेत्र में जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, छात्र संख्या भी हजारों में है, फिर भी आज क्षेत्र मे उच्च शिक्षा सुविधा शून्य बनी हुई है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि जनप्रतिनिधि इस विषय पर खुलकर बोलने से बचते नजर आते हैं। न कोई ठोस प्रस्ताव, न भूमि चयन की जानकारी और न ही बजट स्वीकृति की पहल परिणामस्वरूप करेली के युवाओं का भविष्य अधर में लटका है।

जिम्मेदार ध्यान दें तो छात्रों का रख सकेगा पलायन

शिक्षाविदों कुछ का मानना है कि यदि करेली में शासकीय कॉलेज खुलता है तो आसपास के ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को बड़ा लाभ मिलेगा, विशेषकर छात्राओं की पढ़ाई में निरंतरता आएगी और पलायन भी रुकेगा।
अब सवाल यह है कि आखिर कब तक करेली के विद्यार्थियों को अपने ही जिले में उच्च शिक्षा के लिए भटकना पड़ेगा? क्या जनप्रतिनिधि केवल चुनावी घोषणा तक ही सीमित रहेंगे या करेली को उसका हक दिलाने के लिए ठोस कदम उठाएंगे इसका जवाब जनता जानना चाहती है।आखिर कब जिम्मेदार जागेंगे और इसका लाभ क्षेत्र बच्चों को दिला सकेंगे जबकि इस क्षेत्र में दो बड़े-बड़े नेता मंत्री पद पर हैं इसके बावजूद करेली में सुविधाओं का अकाल पड़ा हुआ है क्या यह बड़े नेता सिर्फ करेली को ही अनदेखा कर रहे हैं यह सवाल भी आम जनता के मन में स्पष्ट रूप से बना हुआ है।

नहीं रहे डॉ व्ही पी गिरदौनिया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस नगर धनारे कालोनी गली नम्बर 7 निवासी सेवानिवृत्त आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ व्ही पी गिरदौनिया का 90 वर्ष की आयु मे देहावसान हो गया। आप वे पं दिनेश गिरदौनिया, शिक्षक एल पी गिरदौनिया (अजय), शिक्षिका श्रीमती ज्योतिबाला ढिमोले व श्रीमती मधुबाला गिरदौनिया के पिताजी थे। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय झिरना मुक्तिधाम में किया गया। जहां पर समाज के सभी वर्गो द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया पैदल निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर की यातायात व्यवस्था को सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने शनिवार को नरसिंहपुर शहर के प्रमुख मार्गों का पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सुभाष पार्क चैराहा से होते हुए बाहरी रोड, सुनका चैराहा, मुशरान पार्क से होते हुए मैन रोड, सिंहपुर चैराहा से नगर पालिका चैराहा तक पैदल निरीक्षण कर दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपनी दुकान की सामग्री सड़क पर न रखें तथा प्रतिष्ठानों के सामने पार्किंग व्यवस्था सुव्यवस्थित रखें। निरीक्षण के दौरान बाहरी रोड एवं मैन रोड पर संचालित अस्थायी दुकानों को व्यवस्थित संचालन करने के निर्देश दिए। चौपाटी के समीप स्थित एमपी स्टेट एग्रो खाद वितरण केंद्र को भी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए। इतवारा बाजार क्षेत्र में अस्थायी अतिक्रमण हटाने, पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बाहरी रोड स्थित कमल स्टोर, बैंक ऑफ बड़ौदा एवं कैनरा बैंक सहित अन्य बड़े प्रतिष्ठानों की पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बैंक प्रबंधक एवं अन्य जवाबदारों को निर्देशित किया। अमर ज्योति ज्वेलर्स सहित अन्य बड़े प्रतिष्ठानों के बाहर अस्थाई रूप से पार्किंग क्षेत्र में रखी गई सामग्री को मौके पर ही हटवाया गया और समझाइश दी। जलगांव ज्वेलर्स के पास सब्जी की दुकानों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। मुशरान पार्क से पुत्री शाला तक स्थित दुकानों के टीन शेड, जो सड़क तक आ रहे थे, उन्हें हटाने के निर्देश दिए। सांकल तिराहा स्थित राम भरोसे होटल के समक्ष किए गए अस्थायी अतिक्रमण को हटाने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने शनीचरा बाजार, जनपद कॉम्पलेक्स तथा नगर पालिका चैराहा क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। नगर पालिका चैराहा एवं जिला चिकित्सालय के आसपास लगी अस्थायी दुकानों को हटाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा रोगी कल्याण समिति कॉम्पलेक्स में लगे टीन शेडों को भी हटाने के निर्देश दिए। मैन रोड एवं बाहरी रोड स्थित दुकानदारों को समझाइश दी गई कि भविष्य में यदि दुकानों का सामन सड़क पर पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। भ्रमण के दौरान एसडीएम नरसिंहपुर मणिन्द्र सिंह, डीएसपी मनोज गुप्ता, यातायात निरीक्षक श्रीमती ममता तिवारी सहित पुलिस एवं नगर पालिका का अमला मौजूद था।

अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में स्टाफ का अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती डॉ. स्वाति चांदोरकर तथा अजय तुलसी नेमा उपस्थित हे। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की पूजा करके मार्गदर्शन कार्यक्रम की शुरुआत किया गया। स्वागत उद्बोधन विद्यालय के प्राचार्य जी.एस. पटेल दिया गया। अजय तुलसी ने कविता के माध्यम से शिक्षा और शिक्षकों के महत्व को बहुत ही रोचक तरीके से उजागर किया। डॉ. श्रीमती स्वाति चांदोरकर ने आत्म-मूल्यांकन के माध्यम से विद्यार्थी और शिक्षक के बीच संबंधों को समझाया और शिक्षकों को अपने ज्ञान और व्यवहार को लगातार अद्यतन करने और अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए अपनी रुचियों पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का आभार विद्यालय के शिक्षक डॉ. अशोक उदेनिया द्वारा दिया गया कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिवानी चौरसिया द्वारा किया गया।

उद्घाटन से पहले ही जर्जर हुआ गोटेगांव-नरसिंहपुर मार्ग, धंसी नवनिर्मित पुलिया

गोटेगांव से नरसिंहपुर को जोड़ने वाला करोड़ों की लागत से निर्मित मार्ग उद्घाटन से पहले ही बदहाल हो गया है। कई स्थानों पर डामर उखड़ चुका है और सड़क गड्ढों में तब्दील हो रही है।झामर के पास निर्मित नई पुलिया एक ओर से धंस गई है, जिससे सड़क पर गहरा गड्ढा बन गया है। रात के समय यह दुर्घटना का कारण बन सकता है।सांकल, धमना, मालह पिपरिया, नयागांव और बाली तक मार्ग की हालत खराब बताई जा रही है। दोपहिया वाहन चालक आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में घटिया सामग्री उपयोग किए जाने का आरोप लगाया है और जांच की मांग की है। क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश है तथा जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की जा रही है।

तहसील कार्यालय के सामने मॉडल रोड पर अतिक्रमण, राहगीर परेशान

गोटेगांव। नगर पालिका क्षेत्र में अतिक्रमण की समस्या गंभीर होती जा रही है। तहसील कार्यालय के सामने मॉडल रोड की पट्टियों पर होटल संचालकों और दुकानदारों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है।
इसके चलते पैदल चलने वालों को भारी असुविधा हो रही है। सड़क किनारे वाहनों की लंबी कतारों से मार्ग संकरा हो गया है और यातायात बाधित हो रहा है। कुछ स्थानों पर अवैध बिजली कनेक्शन भी किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। जनपद पंचायत कार्यालय के सामने तथा परमहंसी मार्ग पर भी अतिक्रमण की स्थिति बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है, अन्यथा भविष्य में मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध होने की आशंका जताई है।

करेंट लगने से महिला की मौत

तेंदूखेड़ा । विगत दिवस नगर के वार्ड क्रमांक 14 जामुनपानी में 30 वर्षीय महिला की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। महिला के के दो छोटे छोटे बच्चे भी हैं।वह अपने पति सास ससुर और जेठ की पत्नी और बच्चों के साथ रहती थी। परिजनों के खेती बाड़ी के काम में सहयोग भी किया करती थी।घटना के बाद पुलिस सुरक्षा के बीच पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। जिसका अंतिम संस्कार किया गया।

मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

30 वर्षीय मृतिका रंजना पाली के मायके पक्ष ने इस घटना को सोची समझी साजिश बताते हुए ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में मायके पक्ष ने जमकर हंगामा किया और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को रंजना घर में लगी पानी की मोटर बंद करने के लिए खेत में गई थी इसी दौरान वह वहां फैले बिजली के खुले तारों की चपेट में आ गई। और हाथ में करंट से झुलस गई। मायका पक्ष घटनास्थल की स्थिति संदिग्ध रही है। महिला के हाथ में बांस की लकड़ी फंसी हुई पाई गई थी। करंट लगने के तुरंत बाद उसे परिजनों द्वारा सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतिका रंजना की मौत की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग बड़ी संख्या में तेंदूखेड़ा पहुंचे। मृतिका के भाई रामकुमार पाली ने आरोप लगाया है कि उनकी बहन की हत्या की गई है । इसे दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है। लेकिन मृतिका के पति प्रदीप पाली ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक दुखद हादसा बताया है।जो आरोप लगाये जा रहे हैं निराधार तथ्यहीन है।

पुलिस सूक्ष्मता से कर रही जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस सक्रिय हो गई है। इस संबंध में तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी बीएल त्यागी का कहना है कि पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल का बारिकी से निरीक्षण किया गया है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह महज एक दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई आपराधिक साजिश। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की पड़ताल कर रही है।

फरवरी के अंतिम सप्ताह में पंचग्रही योग दिखेगा विश्व व्यापी प्रभाव

तेंदूखेड़ा। सम्पूर्ण जगत सूर्य आदि 9 ग्रहों से प्रभावित होता है। ग्रहों की अलगअलग राशियों में स्थिति के अनुसार हमें विश्व व्यापी परिवर्तन दिखाई देते हैं। फरबरी माह के अंतिम सप्ताह में नवग्रहों के राजा और इस बर्ष के राजा मंत्री के पद पर प्रतिष्ठित सूर्य के साथ उनके प्रबल शत्रु शुक्र राहु और बुद्धि विवेक के कारक बुध ऊर्जा साहस पराक्रम रक्त तकनीकी कला कौशल पुलिस सेना निडरता भूमि सम्पत्ति के कारक और ग्रहों के सेनापति मंगल के साथ लगभग एक सप्ताह के लिए पंच ग्रही योग बन रहा है। राशि विशेष में स्थित ग्रह अपनी अवस्था बल युति दृष्टि आदि से अपना प्रभाव दिखाते हैं।जब भी आकाश मंडल में चार पांच ग्रह एक राशि में आते है तो हमारी पृथ्वी रुधिर अथवा जल से आप्लावित हो जाती है।पंचग्रही योग पूरे विश्व को प्रभावित करता है ऐसा शास्त्रों में वर्णन है। विश्व स्तर पर राजनैतिक बदलाव प्राकृतिक आपदाओं की संभावना व्यापार में उतार चढ़ाव शेयर बाजार में अस्थिरता कई देशों में आर्थिक संकट बाहरी एवं गृहयुद्ध की संभावना धार्मिक मतभेद बडी राजनैतिक घोषणा अथवा राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन जैसी स्थिति उत्पन्न होना भूमि भवन प्रापर्टी के भावों में हलचल कई वस्तुओं के मूल्य में भारी उतार चढ़ाव के साथ रोग बीमारी का प्रकोप बढ़ने की संभावना होती है। आगामी कुछ महीनों में अग्नि भय अग्नि से संबंधित घटनायें हो सकती हैं। कुंभ राशि में बना पंचग्रही योग विशेष रूप से कर्क बृश्चिक कुंभ मीन राशि वाले जातकों को ज्यादा प्रभावित करेगा इसी पंचग्रही योग में मंगल राहु से अंगारक योग बनता है मंगल ऊर्जा है और राहु विस्फोटक माना जाता है असामयिक दुर्घटनायें रक्त संबंधी समस्यायें क्रोध आवेश अलगाव की स्थिति बनाता है। अनावश्यक गुस्सा पारिवारिक तनाव कैरियर में बाधा व्यापार में नुकसान चोट चपेट दुर्घटना रिश्तों में तनाव चिड़चिड़ापन नकारात्मकता मानसिक तनाव आदि स्थितियों का निर्माण होता है।इस समय शिवजी और हनुमान जी की आराधना करना चाहिए रामचरितमानस का पाठ करना लाभदायक रहेगा।